(d) what is construction position of flats under the said scheme category-wise and locality-wise as on 30th April, 1990 ;

(e) whether some more flats under the scheme are to be allotted during the current as well as next year ; and

(f) if so, give the details thereof category-wise and locality-wise and if *not, the reasons therefor* ?

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI MURASOLI MARAN) : (a) Yes, Sir.

(b) to (f) Information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha.

Allotment of plots in Rohini

1179. SHRI SYED SIBTEY RAZI : Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state :

(a) whether DDA had invited applications for allotment of residential plots in Rohini in 1981 ;

(b) if so, the details of plots alloted during the last three years category-wise as on 30-4-90 and balance position category-wise ;

(c) whether some more plots are under development category wise ;

(d) if so, the details thereof, category wise and Sectorwise ;

(e) whether some more plots are to be allotted during the current as well as the next year ; and

(f) if so, the details category-wise and sector-wise and if not, the detailed reasons therefor ?

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI MURASOLI MARAN) : (a) Yes, Sir.

(b) Plots allotted :

EWS / JANTA	LIG	MIG	Total
2173	4223	3595	9991

Balance Registrants :

EWS	LIG	MIG	Total
5803	23473	16580	45856

(c) and (d) Break up of the plots under development is as under :—

EWS	LIG	MIG	Total
1100	1760	2436	5296

Sector-wise details of these plots are not available.

(e) and (f) Allotment is done as developed plots become available.

कम्प्यूटर द्वारा आरक्षण

1180. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अब तक किन-किन स्थानों पर कम्प्यूटर द्वारा आरक्षण प्रारम्भ कर दिया गया है ;

(ख) क्या इसके परिणामस्वरूप आरक्षण प्रक्रिया सरल हो गई है और आरक्षण पर पड़ने वाला दबाव एवं व्याप्त भ्रष्टाचार कम हुआ है ; और

(ग) उन अन्य स्थानों के नाम क्या हैं, जहां इस वर्ष के दौरान यह सुविधा उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है ?

रेल मंत्रालय में उप मंत्री (श्री अजय सिंह) : (क) कम्प्यूटरीकृत आरक्षण प्रणाली अभी तक नौ शहरों अर्थात् दिल्ली, बम्बई, कलकत्ता, मद्रास, सिकन्दराबाद, अहमदाबाद, बेंगलूर, भोपाल और लखनऊ में शुरू की गयी है ;

(ख) कम्प्यूटरीकरण ने आरक्षण प्रणाली को सरल बना दिया है । अब इन नौ शहरों में से किसी भी शहर में किसी भी गाड़ी के लिए और किसी भी श्रेणी में किसी भी आरक्षण काउंटर से आरक्षण प्राप्त किया जा सकता है । इसने सेवा अवधि और लंबी लाइनों को कम कर दिया है और इसने कदाचार की गुंजाइश को भी कम किया है ।

(ग) 1990-91 के दौरान, इस सुविधा को नौ और नगरों पुणे, गुवाहाटी, जयपुर, पटना, गोरखपुर, तिरुवनन्तपुरम, जम्मू-तवी, भुवनेश्वर और कटक में विस्तार करने का प्रस्ताव है ।